जैसे जैसे दर पे तेरे झुकता चला गया | By Mueksh Bagda

जैसे जैसे दर पे तेरे झुकता चला गया
वैसे वैसे मैं तो ऊँचा उठता चला गया
ओ सांवरे, ओ सांवरे.......
ओ सांवरे, ओ सांवरे.......

देर से समझा तुझे ये भूल मेरी है
सांवरे माथे पे अब तो धूळ तेरी है
जैसे जैसे भजनो में मैं रमता चला गया
वैसे वैसे मैं तो ऊँचा उठता चला गया
ओ सांवरे, ओ सांवरे.......
ओ सांवरे, ओ सांवरे.......

मान लू कैसे तुझे परवाह नहीं मेरी
इतना दिया तूने मुझे ये है दया तेरी
जैसे जैसे हारे के संग चलता चला गया
वैसे वैसे मैं तो ऊँचा उठता चला गया
ओ सांवरे, ओ सांवरे.......
ओ सांवरे, ओ सांवरे.......

हर मुसीबत में तुझे हाज़िर सदा पाया
हर खुशी में हर्ष ने शामिल सदा पाया
जैसे जैसे श्री चरणों में गिरता चला गया
वैसे वैसे मैं तो ऊँचा उठता चला गया
ओ सांवरे, ओ सांवरे.......
ओ सांवरे, ओ सांवरे.......

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%9c%e0%a5%88%e0%a4%b8%e0%a5%87-%e0%a4%9c%e0%a5%88%e0%a4%b8%e0%a5%87-%e0%a4%a6%e0%a4%b0-%e0%a4%aa%e0%a5%87-%e0%a4%a4%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%9d%e0%a5%81%e0%a4%95%e0%a4%a4%e0%a4%be-3/